

सीता राम सीता राम सीता राम कहिये

सीता राम सीता राम सीताराम कहिये,
जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिये ।

मुख में हो राम नाम राम सेवा हाथ में,
तू अकेला नाहिं प्यारे राम तेरे साथ में ।
विधि का विधान जान हानि लाभ सहिये,
जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिये ॥

किया अभिमान तो फिर मान नहीं पायेगा,
होगा प्यारे वही जो श्री रामजी को भायेगा ।
फल आशा त्याग शुभ कर्म करते रहिये,
जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिये ॥

ज़िन्दगी की डोर सोंप हाथ दीनानाथ के,
महलों मे राखे चाहे झोंपड़ी मे वास दे ।
धन्यवाद निर्विवाद राम राम कहिये,
जाहि विधि राखे राम ताहि विधि रहिये ॥

आशा एक रामजी से दूजी आशा छोड़ दे,
नाता एक रामजी से दूजे नाते तोड़ दे ।
साधु संग राम रंग अंग अंग रंगिये,
काम रस त्याग प्यारे राम रस पगिये ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20/title/seeta-raam-seeta-raam-seeta-raam-kahiye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले ।